सत्यमेव जयते
Ministry of Education
Government of India

द रुरल कनेक्ट

Where there is Rural Wellbeing there is Universal Prosperity

मई 2023 खंड 2 अंक 11 पृष्ठ 8 www.mgncre.org

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्

Mahatma Gandhi National Council of Rural Education

उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

"राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 बच्चों के समग्र विकास, ज्ञान, कौशल, संस्कृति और भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देने पर जोर देती है" **प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी** ने नवनियुक्त शिक्षकों के लिए आयोजित कार्यक्रम में संबोधित किया। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन में प्रगतिशील भारत की आवश्यकताओं को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि नीति भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देती है और बच्चों को जीवन के सभी क्षेत्रों में सीखने और बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती है। उन्होंने सरकार की महत्वाकांक्षी कौशल विकास पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि यह रोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए लोगों को विपणन योग्य कौशल के साथ प्रशिक्षण देने पर जोर देती है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत पूरे देश में युवाओं के लिए प्रशिक्षण सुविधाएं स्थापित की गई हैं। प्रधान मंत्री के अनुसार, "पी.एम. विश्वकर्मा योजना के माध्यम से छोटे कारीगरों को प्रशिक्षण देने और उन्हें एम.एस.एम.ई. से जोड़ने के लिए एक पहल की गई है," और न्यू एज टेक्नोलॉजी का उपयोग करके युवाओं को पढ़ाने के लिए 30 कौशल भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र बनाए जाएंगे। उन्होंने शिक्षकों से अपने छात्रों को अपने बच्चों की तरह व्यवहार करने का आग्रह किया क्योंकि उनके प्रयासों का समग्र रूप से समाज पर बहुत प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, "आज आप जो सबक सिखाते हैं, उसका भविष्य की पीढ़ियों पर स्थायी प्रभाव पड़ेगा।"

"एन.ई.पी. 2020 ने नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क के माध्यम से स्कूली शिक्षा और कौशल, समतल और शीर्षात्मक गतिशीलता के एकीकरण और भारत के कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को फिर से परिभाषित करने का मार्ग प्रशस्त किया है" **श्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री** ने, भविष्य के बारे में वर्क: स्किल आर्किटेक्चर एंड गवर्नेंस मॉडल्स ऑफ इंडिया एंड सिंगापुर पर एक कार्यशाला में संबोधित किया। कौशल विकास और ज्ञान सहयोग सामरिक साझेदारी का एक महत्वपूर्ण तत्व है। उन्होंने कहा, "कौशल" की अवधारणा पर पुनर्विचार करना होगा। उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि कौशल की क्षमता स्थायी है। अगली सदी के मध्य तक भारत की श्रम शक्ति दुनिया की कुल श्रम शक्ति का एक चौथाई हो जाएगी। उन्होंने कहा कि हम अपने वैश्विक दायित्वों को तब तक पूरा नहीं कर सकते जब तक कि हम अपनी युवा आबादी को स्किल, री-स्किल और अप-स्किल प्रदान नहीं करते हैं और उन्हें काम के भविष्य के लिए तैयार नहीं करते हैं। श्री प्रधान के अनुसार, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित एन.ई.पी. 2020 के विजन में शिक्षा और प्रशिक्षण को समान महत्व दिया गया है। इसने भारत के कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को फिर से परिभाषित करने और राष्ट्रीय क्रेडिट ढांचे के तहत शिक्षा और कौशल के विलय की अनुमति दी है।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के अध्यक्ष के रूप में डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार का एक शानदार कार्यकाल संपूर्ण हुआ

"काम जानना सीखना नहीं है। काम करना सीखना है। ज्ञान का तब तक कोई मूल्य नहीं है जब तक इसे अनुभवात्मक रूप से लागू नहीं किया जाता है"
डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार

अनुभवात्मक शिक्षा के लिए एक अथक योद्धा, डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार ने उदाहरण प्रस्तुत किया है। वह संगठन में सभी के लिए एक रोल मॉडल, एक नेता और प्रेरणा स्रोत रहे हैं। एक मजबूत कार्य नैतिकता, उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता और संगठन के मिशन के लिए एक जुनून का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने नई पहल विकसित करने, साझेदारी बनाने और देश भर में संगठन की पहुंच और प्रभाव का विस्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार को उनकी विशाल उपलब्धियों के लिए स्वीकार करता है और धन्यवाद देता है और काम के प्रति उनके अटूट समर्पण के लिए आभार व्यक्त करता है। उनकी विरासत को चालू रखा जाएगा।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष, अतिरिक्त प्रभार, के रूप में प्रोफेसर बसुथकर जगदीश्वर राव (हैदराबाद विश्वविद्यालय के कुलपति) का एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने स्वागत किया

एम.जी.एन.सी.आर.ई. के सदस्य सचिव डॉ. टी. नागलक्ष्मी और एम.जी.एन.सी.आर.ई. के सहायक निदेशक डॉ. डी. एन. दास प्रोफेसर बसथकर जगदीश्वर राव का स्वागत करते हुए

संपादक की टिप्पणी

जैसा कि मैंने यह अंतिम संपादकीय लेख लिखा है, मैं विभिन्न भावनाओं से भर गया हूं - कृतज्ञता, उदासी और गर्व। इस सम्मानित परिषद् के अध्यक्ष के रूप में सेवा करने के अवसर के लिए आभार, इस अध्याय के अंत के लिए दु: ख, और जो हमने एक साथ पूरा किया है, उस पर गर्व है।

मैं हैदराबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बसुथकर जगदीश्वर राव का अतिरिक्त प्रभार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई. के रूप में हार्दिक स्वागत करता हूं। प्रो. राव के पास अनुभव का खजाना है जिससे देश को उत्तरोत्तर रूप से आकर्षित करने की आवश्यकता है।

वर्षों से, हमने पूरे देश में प्रभावशाली काम किया है और ग्रामीण उच्चतर शिक्षा में योगदान देने का प्रयास किया है। यह हमारी प्रतिभाशाली टीम की कड़ी मेहनत और समर्पण के बिना संभव नहीं होता। उत्कृष्टता के प्रति उनका समर्पण, जुनून और प्रतिबद्धता मेरे लिए प्रेरणा रही है। मैं अपने सभी हितधारकों को उनके निरंतर समर्थन और जुड़ाव के लिए भी धन्यवाद देना चाहता हूं। उनकी प्रतिक्रिया और सुझावों ने वर्षों से हमारी कार्य संस्कृति को बेहतर बनाने और विकसित करने में हमारी मदद की है।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने कई शैक्षणिक हस्तक्षेपों के माध्यम से ग्रामीण उच्चतर शिक्षा को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया है। पाठ्यक्रम विकास, संकाय विकास कार्यक्रमों और कार्यशालाओं के माध्यम से संकाय की क्षमता निर्माण, कौशल निर्माण गतिविधियों को प्रोत्साहित करना, छात्र स्वयं सहायता समूहों (एस.एस.एच.जी.) का गठन, व्यावसायिक शिक्षा, सामाजिक कार्य प्रयोगशालाएं और कार्यशालाएं, सलाह और कौशल परामर्श, छात्र उद्यमिता को बढ़ावा देना, ग्रामीण प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता और स्वास्थ्य, परिसर की स्थिरता, और पुरस्कृत संस्थान फोकस के प्रमुख क्षेत्र हैं।

बिना किसी आडम्बर के, मैं एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष के रूप में अपनी कुछ उपलब्धियों को साझा करना चाहूंगा। एम.जी.एन.सी.आर.ई. को मंत्रालय द्वारा भारत सरकार के लिए एक सलाहकार इंटरफ़ेस और पाठ्यक्रम विकास एजेंसी के रूप में मान्यता दी गई है। परिषद् ने पाठ्यक्रम, नियमावली, पाठ्य पुस्तकों को विकसित करने; और अनुभवात्मक शिक्षा, सामुदायिक व्यस्तता, व्यावसायिक शिक्षा को आगे ले जाने के लिए देश भर के उच्चतर शिक्षा संस्थानों के साथ नेटवर्किंग और जुड़ाव, रोजगार के लिए युवाओं को कौशल बनाना, ग्रामीण और सामाजिक उद्यमिता, रोजगार सृजन करने वाले उद्योग के रूप में अपशिष्ट प्रबंधन, और मनो-सामाजिक मार्गदर्शन (विशेष रूप से पूर्व और पोस्ट कोविड)। हमारे प्रतिबद्ध कार्य से 25% से अधिक उच्चतर शिक्षा संस्थान प्रभावित हुए हैं। उच्चतर शिक्षा में कौशल को एकीकृत करना और समुदाय की जरूरतों को पूरा करना मेरे एजेंडे में सबसे ऊपर था।

मेरा निरंतर प्रयास काम और शिक्षा को जोड़ने का है। मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि एम.जी.एन.सी.आर.ई. को गांधीजी की नई तालीम में हस्तक्षेप के लिए यूनेस्को चेयर से सम्मानित किया गया है - अनुभवात्मक शिक्षा जो अनुसंधान की एक एकीकृत प्रणाली के माध्यम से उच्चतर शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों की क्षमता बढ़ाने के लिए यूनेस्को चेयर प्रोग्राम द्वारा निर्धारित मानदंडों को पूरा करती है। शिक्षक शिक्षा और स्कूली शिक्षा के क्षेत्रों में ग्रामीण समुदाय की व्यस्तता, कार्य शिक्षा और अनुभवात्मक शिक्षा से संबंधित प्रशिक्षण, सूचना और प्रलेखन गतिविधियाँ। नई तालीम के महात्मा गांधी के विचारों को पुनर्जीवित करने की राष्ट्रीय पहल को राष्ट्रीय और राज्य दोनों स्तरों पर अभूतपूर्व सफलता मिली है। इस पहल का प्राथमिक उद्देश्य अनुभवात्मक शिक्षा, नई तालीम, कार्य शिक्षा और सामुदायिक व्यस्तता पर गांधीजी के विचारों को बढ़ावा देना और उन्हें स्कूली शिक्षा और शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र में मुख्यधारा में लाना है।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. के कई संकाय विकास कार्यक्रम और कार्यशालाएं बी.एड. और एम.एड. पद्धति पाठ्यक्रम और छात्र शिक्षक इंटर्नशिप पढ़ाते समय व्यावसायिक शिक्षा पद्धति को विज्ञान, सामाजिक, भाषा और गणित पद्धति में एकीकृत करने पर ध्यान केंद्रित करती हैं।

मैं छात्रों को व्यावसायिक कौशल से लैस करने में दृढ़ता से विश्वास करता हूं जो उन्हें आगे के आय अर्जित करने वाले जीवन के लिए तैयार करेगा। उच्चतर शिक्षा संस्थानों में उद्यमिता प्रकोष्ठों का गठन - अपनी तरह की पहली और अग्रणी उपलब्धि - संकाय और छात्रों को उद्यमी बनने के लिए तैयार करके व्यावसायिक शिक्षा, सामाजिक उद्यमिता और ग्रामीण उद्यमिता में एम.जी.एन.सी.आर.ई. के प्रयासों को संस्थागत बनाया। मैं पुष्टि करता हूं कि वर्तमान कौशल सेट को देश की भविष्य की मांगों से मेल खाना चाहिए।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. का कार्य मंत्रालय के साथ एम.ओ.ए. और एम.ओ.यू. के उद्देश्यों के अनुरूप है और इसने अपनी वार्षिक कार्य योजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। ग्रामीण क्षेत्रों के परिवर्तन के लिए शिक्षा पर महात्मा गांधी के क्रांतिकारी विचारों की तर्ज पर ग्रामीण आजीविका और उद्यमिता की चुनौतियों का समाधान करने और ग्रामीण उच्चतर शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए पाठ्यक्रम विकास एम.जी.एन.सी.आर.ई. के प्रमुख कार्य उद्देश्य हैं।

"अनुचित और समझौता न करने वाला होना हमें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है" यह मेरा मार्गदर्शक सिद्धांत है। जैसा कि मैंने इस भूमिका को अलविदा कहा है, मुझे विश्वास है कि एम.जी.एन.सी.आर.ई. नए नेतृत्व के तहत कामयाब होते रहेगा।

अंत में, मैं उन सभी का आभार व्यक्त करना चाहता हूं जो इस यात्रा का हिस्सा रहे हैं - मंत्रालय, कार्यालय की टीम, हमारे सहयोगी संस्थान, लेखक, संपादक, योगदानकर्ता, पाठक, और हर कोई जिसने इस परिषद् की भलाई और सफलता में योगदान दिया है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष के रूप में सेवा करना एक सम्मान और सौभाग्य की बात है और मैं अपने जीवन के इस अध्याय की यादों और अनुभवों को संजो कर रखूंगा।

डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार

डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार की उपलब्धियों को स्वीकार करना और एम.जी.एन.सी.आर.ई. के प्रति उनके अटूट समर्पण के लिए आभार व्यक्त करना महत्वपूर्ण है। उनकी विरासत बनी रहेगी, और संगठन और जिन लोगों के साथ उन्होंने काम किया है, उन पर प्रभाव आने वाले वर्षों तक महसूस किया जाएगा। हम संगठन के प्रति उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए निवर्तमान अध्यक्ष को सलाम करते हैं और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. की पूरी टीम ने प्रोफेसर बसुथकर जगदीश्वर राव, हैदराबाद विश्वविद्यालय के कुलपति, को अतिरिक्त प्रभार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई. के रूप में हार्दिक स्वागत किया। हम उनसे सीखने, उनके साथ सहयोग करने और एम.जी.एन.सी.आर.ई. के लिए उनके दृष्टिकोण में योगदान करने के लिए उत्सुक हैं। हम उनके नेतृत्व में एक उत्पादक और पुरस्कृत यात्रा की आशा करते हैं।

डॉ. कुमार के मार्गदर्शन में, हमने कई मील के पत्थर हासिल किए हैं, महत्वपूर्ण साझेदारियां स्थापित की हैं, और समुदाय पर अपने प्रभाव का विस्तार किया है। संगठन के मिशन के लिए उनका जुनून संक्रामक रहा है। डॉ. कुमार की रणनीतिक दृष्टि और योजना एम.जी.एन.सी.आर.ई. के विकास और सफलता की दिशा तय करने में सहायक रही है। उनके नवोन्मेषी विचारों और आगे की सोच के दृष्टिकोण ने संगठन को दूसरों से अलग रखा है और इसके लक्ष्यों को हासिल करने में मदद की है। उनके नेतृत्व में, परिषद् ने पहले से कहीं अधिक लोगों और समुदायों की सेवा करते हुए अपनी पहुंच और प्रभाव का विस्तार किया है। प्रयासों से नए कार्यक्रमों, सेवाओं और साझेदारियों की स्थापना हुई है, जिससे बदलाव लाने के लिए संगठन की क्षमता का विस्तार हुआ है। उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में करुणा, दृष्टि और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता की विशेषता रही है, जो आसपास के लोगों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के लिए प्रेरित करते हैं।

यह मेरे लिए मार्मिक क्षण है। मैं वर्षों से डॉ. कुमार के साथ जुड़ा हुआ हूं, और उन्हें करीब से समर्पण के साथ काम करते देखा है। यह अध्यक्ष द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदानों को प्रतिबिंबित करने और उनके अथक प्रयासों के लिए प्रशंसा व्यक्त करने का समय है। जैसा कि हम अपने प्रिय अध्यक्ष को विदाई देते हैं, हम मदद नहीं कर सकते हैं लेकिन नुकसान और दुख की भावना महसूस करते हैं। उनका नेतृत्व, दृष्टि और समर्पण इस परिषद् की सफलता का एक अभिन्न अंग रहा है, और उनकी अनुपस्थिति को गहराई से महसूस किया जाएगा। उनका ज्ञान, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन हमारे लिए अमूल्य रहा है, और हम उनके साथ काम करने में बिताए गए समय के लिए आभारी हैं।

डॉ. भरत पाठक
उपाध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

एम.जी.एन.सी.आर.ई. की टीम ने प्रोफेसर बी. जे. राव का एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष, अतिरिक्त प्रभार के रूप में स्वागत किया

प्रो. बसुथकर जगदीश्वर राव ने 19 अप्रैल 2023 को एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अतिरिक्त अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला। वह वर्तमान में हैदराबाद विश्वविद्यालय, तेलंगाना के कुलपति हैं। इससे पहले, वह टी.आई.एफ.आर., मुंबई में जैविक विज्ञान विभाग में एक वरिष्ठ प्रोफेसर थे और जीनोम डायनेमिक्स और सेलुलर अनुकूलन प्रयोगशाला, टी.आई.एफ.आर. के तंत्र के प्रमुख थे। उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में जीनोम डायनेमिक्स का आणविक आधार, जीनोम की कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी और प्रोटीन सक्रिय साइट, सेलुलर फिजियोलॉजी और मेटाबॉलिज्म शामिल हैं, जिसमें उन्होंने मौलिक योगदान दिया। जीव विज्ञान के क्षेत्र में अपने मौलिक शोध के अलावा, वे वैज्ञानिक ज्ञान के प्रसार और आउटरीच गतिविधियों में भी रुचि रखते हैं।

प्रो. बी. जे. राव ने जीनोम जीव विज्ञान और सेलुलर विनियमों और अनुकूलन के क्षेत्रों में मौलिक योगदान दिया है जहां उन्होंने लगभग 160 सहकर्मी समीक्षा वाले अंतरराष्ट्रीय प्रकाशनों को उच्च उद्धरणों और प्रभाव के साथ प्रकाशित किया है। उनके प्रकाशन प्रायोगिक से लेकर सैद्धांतिक जीव विज्ञान से लेकर रसायन विज्ञान और भौतिकी तक हैं। उन्होंने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और शिक्षा से संबंधित विभिन्न नीतिगत मामलों पर कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समितियों की अध्यक्षता की और सदस्य रहे।

उन्होंने व्यापक रूप से दुनिया भर में यात्रा की है और व्याख्यान दिया है और एक मजबूत "डू-इट-योरसेल्फ" महत्वपूर्ण सोच मॉडल के साथ संयुक्त सीखने के तरीकों के ज्ञान-केंद्रित, अवधारणा-उन्मुख इंटरैक्टिव मोड के एक मजबूत मतदाता हैं। उन्होंने इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसेज और स्प्रिंगर नेचर की एक प्रमुख पत्रिका, जर्नल ऑफ बायोसाइंसेज के मुख्य-संपादक के रूप में संयुक्त रूप से महत्वपूर्ण योगदान दिया है, और इसके उच्च प्रभाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्रो. बी. जे. राव ने निज़ाम कॉलेज से बी.एससी. और उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद से एम.एससी. किया। इसके बाद उन्होंने भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर से जैव रसायन के क्षेत्र में पीएच.डी. प्राप्त की। उसके बाद उन्होंने येल मेडिकल स्कूल में अपना पोस्ट-डॉक्टरल काम किया, जहाँ उन्होंने लगभग सात वर्षों तक शोध वैज्ञानिक के रूप में काम किया। इसके बाद वे भारत लौट आए और टी.आई.एफ.आर. में रीडर से लेकर एसोसिएट प्रोफेसर और चेयरपर्सन के रूप में विभिन्न पदों पर काम करना शुरू किया।

प्रो. बी. जे. राव भारत में सभी तीन राष्ट्रीय अकादमियों के फेलो हैं, और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत के सर जेसी बोस फेलो भी हैं। वह विभिन्न समितियों के मुख्य सदस्य और सलाहकार के रूप में भी काम कर रहे हैं और कई पुरस्कार और फैलोशिप जीत चुके हैं।

ग्रामीण शिक्षा के एक मजबूत समर्थक, प्रो. बी. जे. राव महात्मा गांधी द्वारा परिकल्पित अंतिम लक्ष्य के रूप में ग्रामीण उच्चतर शिक्षा के माध्यम से भारत के ग्रामीण विकास की कल्पना करते हैं। वे कहते हैं, *"यदि हम ग्रामीण भारत के 70% युवाओं को प्रभावित कर सकते हैं, तो हम उनकी शिक्षा में बदलाव ला सकते हैं। शिक्षा ही अभावों पर काबू पाने का एकमात्र साधन है।"*

एम.जी.एन.सी.आर.ई. हमारे नए अध्यक्ष के रूप में प्रो. बी. जे. राव का हार्दिक स्वागत करती है। परिषद् का नेतृत्व करने के लिए हमें ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्ति के साथ सम्मानित किया गया है और हम अपने संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए उनके साथ काम करने के लिए तत्पर हैं। हम अपने निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार को उनके विशाल कार्य के लिए दिल से धन्यवाद देते हैं, जिसने एम.जी.एन.सी.आर.ई. को पूरे देश में पहचान दिलाई है। वह हमारे प्रकाश स्तंभ रहे हैं, हमारे संगठन को नेतृत्व, दिशा और मार्गदर्शन प्रदान करते हुए यह सुनिश्चित करते हैं कि हम अपने मिशन पर केंद्रित रहें और अपने मूल मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहें। मैं अपनी टीम के सदस्यों से हमारी कार्य योजना के अनुसार एम.जी.एन.सी.आर.ई. के काम को आगे बढ़ाने और ग्रामीण उच्चतर शिक्षा में योगदान देने का आह्वान करता हूं। हमारा ध्यान हमारे कई संबंधित कार्यों के अलावा पाठ्यक्रम विकास, कौशल, व्यावसायिक शिक्षा, सामाजिक कार्य कौशल प्रयोगशालाओं, छात्र स्वयं सहायता समूहों, संस्थागत प्रकोष्ठों पर है।

डॉ. टी. नागलक्ष्मी, सदस्य सचिव, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

हमारे नए अध्यक्ष के लिए, हम अपने सभी सदस्यों की ओर से हार्दिक स्वागत करना चाहते हैं। प्रो. बी. जे. राव को अपनी टीम में शामिल करने के लिए हम उत्साहित हैं, और हम उनके ज्ञान और अनुभव से सीखने के लिए उत्सुक हैं। हम एम.जी.एन.सी.आर.ई. में उनके उत्कृष्ट योगदान और हमारी मार्गदर्शक भावना के लिए हमारे प्रिय निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार के आभारी हैं। उनकी दृष्टि और कार्य ने एम.जी.एन.सी.आर.ई. को पूरे देश में प्रसिद्ध किया। नियमावली के विकास, पाठ्यक्रम विकास, अनुभवात्मक शिक्षा गांधीजी की नई तालीम, ग्रामीण प्रबंधन और अपशिष्ट प्रबंधन पर पाठ्य पुस्तकें, और क्षमता निर्माण के प्रयासों जैसी कई पथप्रदर्शक पहल एक विरासत है जिसे हमें आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

डॉ. डी. एन. दास, सहायक निदेशक, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार - एम.जी.एन.सी.आर.ई. में पूरे किए गए प्रमुख कार्य

जे.एन.वी. कैंपस, हैदराबाद विश्वविद्यालय, गचीबोवली हैदराबाद में एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अपने परिसर का निर्माण एक प्रमुख व महत्वपूर्ण उपलब्धि है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. संकाय विकास केंद्र का उद्घाटन माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा 14 अगस्त 2021 को किया गया था।

पूर्व माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री रमेश पोखरियाल के साथ नइे तालीम, ग्रामीण समुदायिक व्यस्तता और एम.जी.एन.सी.आर.ई. एजेंडा पर चर्चा
माननीय जल शक्ति मंत्री, श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने 15 भाषाओं में जल शक्ति मैनुअल प्रकाशित करने के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. के प्रयासों की सराहना की
माननीय केंद्रीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने 12 अगस्त को आई.आई.टी. दिल्ली में 10 - 12 अगस्त को आई.आई.टी. दिल्ली में जल शक्ति मैनुअल का विमोचन किया गया

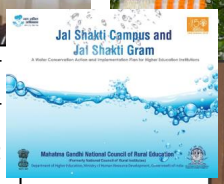

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडू द्वारा ग्रामीण प्रबंधन पाठ्य पुस्तकों का विमोचन

कोविड समय के दौरान एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा किए गए कार्यों के बारे में तेलंगाना के माननीय राज्यपाल डॉ. तमिलिसई सौंदरराजन को अपडेट करना।

Honourable Governor of Gujarat Shri Acharya Devvrat launched the Manuals in Gujarat marking Mahatma Gandhi's 150th Birth Anniversary in the presence of Shri Bhupendrasinh Chudasama, Honourable Education Minister; Smt Anju Sharma Principal Secretary to Education Department and Shri LP Padalia Commissioner of Higher Education. Dr. W G Prasanna Kumar Chairman MGNCRE is seen here overseeing the launch of the manuals.

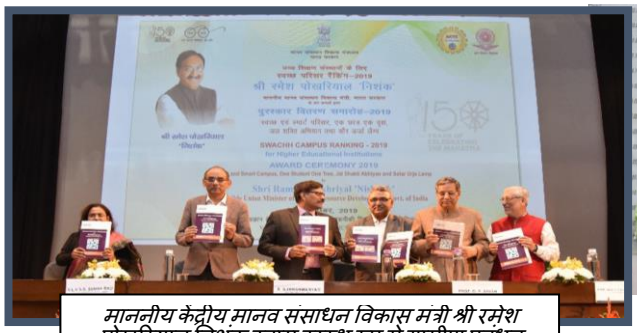

माननीय केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री रमेश पोखरियाल निशंक द्वारा दूरस्थ रूप से ग्रामीण प्रबंधन पाठ्यक्रम में बी.बी.ए. और एम.बी.ए. का शुभारंभ

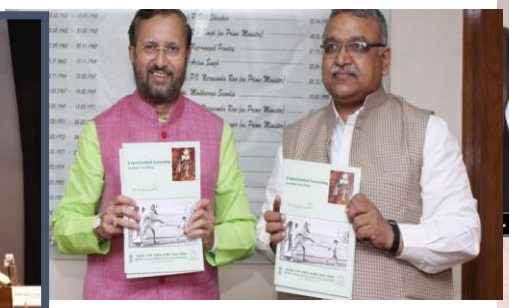

माननीय केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री (पूर्व) श्री प्रकाश जावड़ेकर द्वारा नई तालीम पुस्तक का विमोचन

श्री प्रकाश जावड़ेकर, पूर्व मानव ससाधन विकास मंत्री ने 19 दिसंबर, 2017 को भारत में ग्रामीण प्रबंधन शिक्षा से संबंधित एम.जी.एन.सी.आर.ई. के प्रतिष्ठित अभियान का शुभारंभ किया। श्री राम कृपाल यादव, पूर्व केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ने 21 दिसंबर, 2017 को एन.एस.एस. छात्रों के लिए संरचित ग्रामीण जुड़ाव के लिए एन.सी.आर.आई. के अभियान का शुभारंभ किया।

सिक्किम के माननीय शिक्षा मंत्री श्री कुंगा नीमा लेप्चा और अपर मुख्य सचिव श्री जी.पी. उपाध्याय द्वारा ग्रामीण प्रबंधन का विमोचन

"यू.जी. कार्यक्रमों के लिए पर्यावरणीय स्वच्छता, स्वास्थ्य और अपशिष्ट प्रबंधन पर वैकल्पिक पाठ्यक्रम" और "ग्रामीण तल्लीनता" पर एक पुस्तक का विमोचन

"हमें प्रभावी ढंग से काम करने के लिए डिजाइन के साथ अपनी इच्छा का मिलान करने की आवश्यकता है"

5 सितंबर, 2018 को 29 राज्यों में देश भर के राज्य प्रमुखों द्वारा अनुभवात्मक शिक्षण पाठ्यक्रम जारी किया गया था।

सिक्किम के माननीय मुख्यमंत्री श्री पवन चामलिंग के साथ श्री राम बहादुर सुब्बा, मानव संसाधन विकास मंत्री (एच.आर.डी.), श्री जी.पी. उपाध्याय, आई.ए.एस., सिक्किम सरकार के विशेष मुख्य सचिव, मन्नान भवन, गंगटोक, सिक्किम

असम - माननीय मुख्यमंत्री सज. सर्बानंद सोनोवाल ने माननीय शिक्षा मंत्री एस.जे.टी. सिद्धार्थ भट्टाचार्य और माननीय शिक्षा राज्य मंत्री, सज. पल्लब लोचन दास के साथ पाठ्यक्रम जारी किया।

नई तालीम पाठ्यक्रम माननीय राज्यपाल श्री सत्य पाल मलिक द्वारा जम्मू और कश्मीर में विमोचित की गई थी।

तेलंगाना - माननीय गृह मंत्री, श्री नैनी नरसिम्हा रेड्डी। माननीय शिक्षा मंत्री श्री कादियाम श्रीहरि ने पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री बंडारू दत्तात्रेय, शिक्षा आयुक्त डॉ. टी. विजय कुमार, और प्रख्यात शिक्षाविदों का एक मेजबान।

ग्रामीण सामुदायिक जुड़ाव पर ऑनलाइन कोर्स दिल्ली स्थित पार्टिसिपेटरी रूरल इनीशिएटिव्स इन एशिया (पी.आर.आई.ए.) और एम.जी.एन.सी.आर.ई. के बीच एक बैठक में आकार लिया। डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष और एम.जी.एन.सी.आर.ई. सलाहकार; डॉ. राजेश टंडन, संस्थापक-अध्यक्ष, डॉ. के. के. बंद्योपाध्याय, निदेशक और पी.आर.आई.ए. की श्रीमती वफ़ा सिंह ने एम.जी.एन.सी.आर.ई. में आयोजित बैठक में भाग लिया।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. को संकाय विकास केंद्र का दर्जा दिया गया है। एफ.डी.सी. एम.जी.एन.सी.आर.ई. में फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम का पहला बैच।

विचार-मंथन कार्यशालाओं में एम.बी.ए. वेस्ट मैनेजमेंट करिकुलम को आकार दिया जा रहा है। एम.बी.ए. डब्ल्यू.एम. को ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित किया गया है और इसे 11 एच.ई.आई. में विमोचन किया गया है।

United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization

UNESCO Chair on Experiential Learning, Work Education and Community Engagement
Mahatma Gandhi National Council of Rural Education, India

यूनिसेफ - एम.जी.एन.सी.आर.ई. एसे.एफ.डी.आर.आर. संकाय विकास गतिविधियां

अनुभवात्मक अधिगम में यूनेस्को चेयर एम.जी.एन.सी.आर.ई. के हस्तक्षेप को मान्यता दी गई है और यूनेस्को चेयर के लिए अनुमोदित किया गया है। यह परियोजना यूनेस्को के चेयर प्रोग्राम्स द्वारा निर्धारित मानदंडों को पूरा करती है, जो ग्रामीण समुदायिक व्यस्तता, कार्य शिक्षा और शिक्षक शिक्षा और स्कूली शिक्षा में अनुभवात्मक शिक्षा से संबंधित अनुसंधान, प्रशिक्षण, सूचना और प्रलेखन गतिविधियों की एक एकीकृत प्रणाली के माध्यम से उच्चतर शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों की क्षमता बढ़ाने के लिए है।

AROUND ODISHA — 26 AUG 2021 — THURSDAY

SOA PRESENTED WITH 'ONE DISTRICT ONE GREEN CHAMPION' AWARD

Bhubaneswar: Siksha 'O' Anusandhan (SOA) was presented the 'One District One Green Champion' award for Khurda district in recognition of its exemplary performance in Swachhata Action Plan (SAP) Green Campus Initiative on Wednesday. The award, instituted by the Mahatma Gandhi National Council of Rural Education (MGNCRE) in the Ministry of Education, was received by Prof. Nachiketa K. Sharma, SOA's Director, University Outreach Program and Program Coordinator, NSS at a function held at Khurda. Mr. Sanat Kumar Mohanty, Collector and District Magistrate, Khurda, who presented the award, congratulated SOA for the exemplary outreach activities undertaken by it and its outstanding contribution in the field of higher education. Mr. Anuj Kumar Das Patnaik, Additional District Magistrate, who delivered the keynote address on the occasion, exhorted all institutions to meticulously follow the parameters of campus hygiene laid out in Swachh Campus and Jal Shakti Manuals as swachhata was the most precious lesson alongside education. "We must strive to cultivate a robust community which supported the wellbeing of everyone," he said. He also suggested adoption of cycling for local transport to cut down on pollution while stressing on water harvesting and solar energy to make campuses eco-friendly and make them green and self-sustainable. Prof. Sharma narrated his experience in overseeing the swachhata program of the university while pointing out that it had been a success due to the continuous encouragement provided by the SOA President Prof. Manojranjan Nayak and Vice-Chancellor Prof. (Dr.) Ashok Kumar Mahapatra. Mr. Pratik Das of SOA explained the SAP initiative. The program, held virtually, was attended by Dr. W.G. Prasanna Kumar, Chairman, MGNCRE, Ms. Tuti Sandhya, Resource Person, MGNCRE, Principals of various colleges of Khurda district, faculties, NSS Program Officers and volunteers.

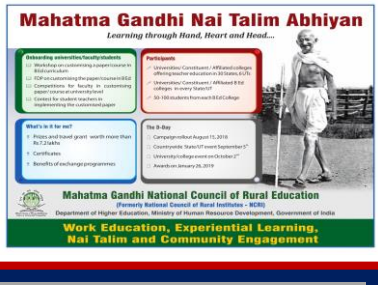

भारत सरकार / Government of India
महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद / Mahatma Gandhi National Council of Rural Education
उच्चशिक्षाविभाग / Department of Higher Education
शिक्षामंत्रालय / Ministry of Education

District Green Champion Certificate

This is to certify that **MOUNT TIYI COLLEGE** is hereby recognized as **District Green Champion** for **Wokha** District, Nagaland for the Academic Year 2021-22. The institution has successfully elevated the Swachhta Action Plan, adopted and implemented best practices in the areas of Sanitation, Hygiene, Waste Management, Water Management, Energy Management and Greenery Management.

Dr W G Prasanna Kumar
Chairman, MGNCRE
Ministry of Education, Government of India

दिनांक / Date : 12.03.2022

*एम.जी.एन.सी.आर.ई. की स्वच्छता कार्य योजना के तहत एच.ई.आई. को **800 जिला ग्रीन चैंपियन पुरस्कार** प्रदान किए गए। स्थायी पहल को लागू करने वाले एच.ई.आई. की संस्थागत उपलब्धियों (सफलता की कहानियां) के मामले के अध्ययन को प्रलेखित किया गया था। स्थायी पहलों में जल प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन, भूमि उपयोग, हरियाली और ऊर्जा प्रबंधन शामिल हैं। वीडियो का उपयोग अकादमिक संसाधन केस स्टडी के रूप में किया जाएगा। 800 जिला ग्रीन चैंपियन एच.ई.आई. को उनके संबंधित जिलों के जिला कलेक्टरों, जिला मजिस्ट्रेटों और प्रशासन प्रमुखों द्वारा सम्मानित किया गया। एम.जी.एन.सी.आर.ई. इस प्रयास के लिए मंत्रालय की नोडल एजेंसी थी। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने एच.ई.आई. और उनके द्वारा अपनाए गए गावों में पानी, अपशिष्ट, हरियाली, स्वच्छता और ऊर्जा को संभालने के तौर-तरीकों सहित स्वच्छता और स्थिरता सूचकांक गतिविधियों को बढ़ावा दिया है।*

एस.एस.एच.जी. व्यवसाय चलाने के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं को लागू करने की संभावनाएं, संग्रह सामग्री या व्यवसाय के लिए आवश्यक संसाधनों, व्यवसाय के संचालन के लिए आवंटित समय, व्यवसाय चलाने के लिए चुने गए स्थान, आवश्यक उपकरणों या उपकरणों के संग्रह के आधार पर व्यावसायिक गतिविधियों को डिज़ाइन करते हैं। सावधानियों का पालन करते हुए व्यवसाय चलाना, व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए नेटवर्किंग करना और प्रलेखन को ठोस बनाना।

युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित करने हेतु कारीगिरी से कारोबारी कार्यक्रम आयोजित

चण्डीगढ़। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से पोस्ट गवर्नमेंट कॉलेज सेक्टर -46 के सामाजिक उद्यमिता स्वच्छता और ग्रामीण जुड़ाव प्रकोष्ठ द्वारा एक दिवसीय स्वयं सहायता समूह महोत्सव "कारीगिरी से कारोबारी" का आयोजन किया गया। उत्सव का उद्देश्य युवा उद्यमियों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करना था। प्राचार्य डॉ. आभा सुदर्शन ने कहा कि इस तरह के उपक्रम युवाओं में टीम वर्क और नवाचार का मूल्य पैदा करके स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा देते हैं। डॉ. बलजीत सिंह, महोत्सव के नोडल अधिकारी ने कहा कि दिन के विशेष आकर्षण थे छात्रों के 16 स्वयं सहायता समूहों द्वारा स्थापित म्यूजिकल बैंड, फूड स्टॉल, हस्तशिल्प, बेकरी आइटम, मिट्टी के बर्तन, जैविक उत्पाद, पेंटिंग आदि की प्रदर्शनी और बिक्री थे। डॉ. राजेश कुमार, डीन ने इस प्रयास की सराहना की।

कौशल का सम्मान, उद्यमिता को बढ़ावा - श्रीमती कुमारी किरण, महिला उद्यमी, समस्तीपुर, बिहार के साथ बातचीत में एम.जी.एन.सी.आर.ई. इंटर्न

स्किल लैब्स को बढ़ावा देना - सत्र में कार्यशाला

उद्योग-अकादमिक प्रदर्शनियां - प्रचार करना एच.ई.आई. में एम.बी.ए. अपशिष्ट प्रबंधन और सामाजिक उद्यमिता पाठ्यक्रम

व्यावसायिक शिक्षा कार्यशालाएं – एम.आर.पी.

एम.जी.एन.सी.आर.ई. माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट्स के हिस्से के रूप में व्यावसायिक शिक्षा कार्यशालाओं में तैयार की गई पाठ योजनाएं भविष्य के शिक्षकों के लिए एक संपत्ति होंगी और प्रतिभागी इन पाठ योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए मास्टर ट्रेनर बनेंगे। उद्यमिता पर और छात्र स्वयं सहायता समूहों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए राज्यों में प्रशिक्षुओं द्वारा कार्यशालाएं भी आयोजित की गईं।

ग्रामीण तल्लीनता प्रगति पर है

एच.ई.आइ. का संस्थागत बनाना

- **59940** कार्य/व्यवसाय योजनाओं का गठन किया गया
  38886 व्यावसायिक शिक्षा कार्य योजनाएं
  11675 सामाजिक उद्यमिता व्यवसाय योजनाएँ
  9379 ग्रामीण उद्यमिता व्यवसाय योजनाएँ
- **12323** संस्थागत प्रकोष्ठों का गठन
  व्यावसायिक शिक्षा के लिए **4888** प्रकोष्ठ
  सामाजिक उदयमिता के लिए **2260** प्रकोष्ठ

कोविड 19 के बारे में जागरूकता फैलाना, टीकाकरण अभियान में मदद करना, आवश्यक सेवाएं प्रदान करना, मनोसामाजिक समर्थन देना - एम.जी.एन.सी.आर.ई. टीम ने अपने सामुदायिक व्यस्तता जनादेश के हिस्से के रूप में, महामारी के इस संकटपूर्ण समय में यह सब किया है! उच्चतर शिक्षा संस्थानों को प्रेरित किया जा सकता है और राष्ट्रीय हित में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है जिसे एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा दोहराया गया है। उपलब्धि और संतुष्टि की महान ऊंचाइयों को शब्दों से परे जाना जाता है।

29 बीएड महाविद्यालयों में शिक्षा मंत्रालय के वेबिनार का आयोजन

नयी शिक्षा नीति के तहत सभी कॉलेजों में होगा सेमिनार : प्रतिकुलपति

हजारीबाग (आवाज)। विभावि अंतर्गत 29 बीएड महाविद्यालयों में शिक्षा मंत्रालय द्वारा वेबिनार का आयोजन किया गया। मंत्रालय की ओर से झारखंड, पंजाब, उत्तराखंड के राज्य कोऑर्डिनेटर प्रियव्रत शर्मा शामिल हुए। वहीं वेबिनार की अध्यक्षता विभावि के प्रतिकुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने की। वेबिनार में शिक्षा नीति 2020 पर चर्चा की गई। राज्य कोऑर्डिनेटर प्रियव्रत शर्मा ने कहा कि वेबिनार में नई शिक्षा नीति के तहत वोकेशनल लर्निंग के बाबत शिक्षकों के साथ कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रायोगिक विधि से सभी क्रियाकलापों को करके दिखाया गया। उन्होंने बताया कि शिक्षा मंत्रालय द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद की तरफ से देश भर में यह आयोजन किया जा रहा है। वेबिनार में मेंटल एक्शन प्लान के तहत चार कोर एरिया हैं, जिसमें वोकेशनल एजुकेशन, सेल्फ फिनांस, स्वच्छता और स्वास्थ्य, कम्युनिटी इंगेजमेंट के बारे में विस्तार से बताया गया। प्रतिकुलपति ने बताया कि नयी शिक्षा नीति के अंतर्गत सभी कॉलेजों में वेबिनार का आयोजन किया जाएगा। शिक्षा नीति के अनुरूप अलग-अलग मेधा के छात्र-छात्राओं को उसी क्षेत्र में आगे बढ़ाया जाएगा। इस संबंध में मिनिस्ट्री ऑफ हायर एजुकेशन को रिपोर्ट भेजी जाएगी। नई दिल्ली में इसपर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

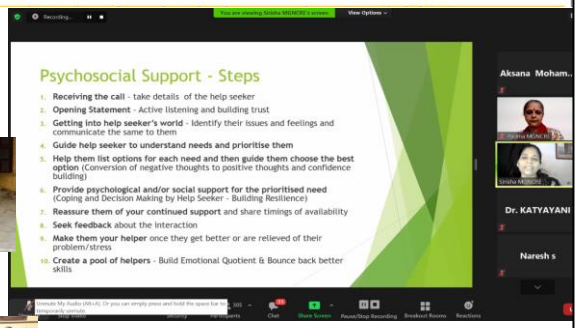

कार्यशालाएं - प्रमुख आंकड़े	
कवर किए गए राज्य	27
कवर किए गए जिले	412
किए गए कार्यशालाएं	1300
कवर किए गए संस्थान	1300
प्रतिभागी - संकाय	7850
प्रतिभागी - छात्र	28885
कुल पहुंच (छात्र उन्मुख)	414751
कुल सामुदायिक पहुंच	4296585

_ईच वन रीच वन!_

- विभिन्न उच्चतर शिक्षण संस्थानों के बीच आपदा प्रतिक्रिया टीमों का गठन और जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित करना
- लोगों को कोविन ऐप के बारे में जागरूक करने के लिए घर-घर स्वास्थ्य जागरूकता शिविर, गांव सर्वेक्षण आयोजित करना, टीकाकरण के लिए पंजीकरण करने में उनकी मदद करना।
- ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया और ग्रामीण क्षेत्रों में महामारी के दौरान योग के महत्व पर जागरूकता फैलाई।
- कोविड प्रभावित परिवारों को सब्जी, किराना, मेडिकल किट का वितरण किया।
- शरीर के तापमान की जांच कर जरूरतमंद लोगों को मास्क व सैनिटाइजर बांटे।
- ऑक्सीजन सिलेंडर, अस्पताल के बिस्तर और अन्य चिकित्सा आपूर्ति की उपलब्धता के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए हेल्पलाइन नंबरों की स्थापना।
- कई उच्चतर शिक्षण संस्थानों ने संबंधित जिला स्तरीय सरकारी प्रशासन और मुख्यमंत्री राहत कोष में धन दान किया।
- कुछ स्वयंसेवकों ने क्वारंटाइन के बाद घर पर कोविड रोगियों को क्लोरीनयुक्त करके भी समर्थन दिया
- हेल्प डेस्क के माध्यम से कोविड प्रभावित परिवारों को मनोसामाजिक और भावनात्मक सहयोग प्रदान करना।
- चिंता कम करने, सांस लेने की तकनीक, तनाव प्रबंधन और अवसाद पर काबू पाने की तकनीक पर ऑनलाइन सत्र आयोजित करना
- टीका लगवाने के लिए जनता में झिझक की पहचान की जा सकती है
- टीकाकरण के महत्व पर छात्रों और जनता के बीच जागरूकता पैदा की
- पोस्ट-कोविड देखभाल के महत्व को महसूस किया
- उन छात्रों की पहचान कर सकें जिन्हें वित्तीय सहायता की आवश्यकता है
- छात्र स्वयंसेवकों के बीच जिम्मेदारी की भावना सृजन कर सकता है

- ✓ भारत में 25% से अधिक उच्चतर शिक्षा संस्थानों को प्रभावित किया
- ✓ माननीय राज्यपालों, प्रशासनिक प्रमुखों, जिला कलेक्टरों, कुलपतियों, निदेशकों, संस्थानों के प्रमुखों, यू.बी.ए. समन्वयकों, प्रमुख हितधारकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और नेतृत्व किया
- ✓ एफ.डी.सी. एम.जी.एन.सी.आर.ई. का उद्घाटन (वीडियो के माध्यम से) माननीय केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने किया
- ✓ एन.ए.ए.सी., एन.आई.आर.एफ., एन.बी.ए. और एच.ई.आई. के लिए अन्य क्षेत्रीय और राष्ट्रीय क्रेडेंशियल्स पर जोर देने के साथ एफ.डी.सी. एम.जी.एन.सी.आर.ई. में आयोजित एफ.डी.पी.
- ✓ एम.जी.एन.सी.आर.ई., अन्य संगठनों के साथ, ए.आई.सी.टी.ई. इंटर्नशिप पोर्टल (https://internship.ए.आई.सी.टी.ई.-india.org/) के माध्यम से ग्रामीण इंटर्नशिप की पेशकश करेगा।
- ✓ सीमावर्ती ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों सहित संस्थागत सामाजिक जिम्मेदारी, ग्रामीण समुदाय जुड़ाव, ग्रामीण व्यवसाय प्रबंधन, ग्रामीण उद्यमिता और ग्रामीण प्रौद्योगिकियों में इंटर्नशिप के अवसरों के लिए ए.आई.सी.टी.ई. के मंच को साझा करने के लिए ए.आई.सी.टी.ई. और एम.जी.एन.सी.आर.ई. के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- ✓ उच्चतर शिक्षा में कौशल का एकीकरण - 15 कॉलेज तेलंगाना में स्नातक कार्यक्रम शुरू करेंगे
- ✓ स्वच्छ और हरित भारत के लिए सतत परिसर - 800 जिला ग्रीन चैंपियंस सम्मानित
- ✓ कोविड के समय में मनोसामाजिक सहायता (प्रत्येक तक पहुंचे) - 412 जिलों को 4296585 लोगों की कुल सामुदायिक पहुंच के साथ कवर किया गया
- ✓ ओ.डी.ओ.पी. अभियान ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित करता है
- ✓ उच्चतर शिक्षा संस्थानों में प्रकोष्ठों का गठन - उच्चतर शिक्षा संस्थानों को शामिल करने का संचयी प्रयास - प्रयासों को संस्थागत बनाने के लिए प्रकोष्ठों का गठन - ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.); सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण जुड़ाव प्रकोष्ठ कार्य योजना प्रकोष्ठ (एस.ई.एस.आर.ई.सी.); व्यावसायिक शिक्षा-नई तालीम-अनुभवात्मक शिक्षा (वेंटेल)
- ✓ मेंटी संस्थानों का गठन
- ✓ कार्यशालाएं व्यावसायिक गतिविधि, आत्मनिर्भरता, स्वच्छता और स्वास्थ्य और सामुदायिक व्यस्तता के विकास और कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करती हैं।
- ✓ एक सफल कार्य योजना संस्थान होने के मानदंडों को पूरा करने के लिए संस्थानों को जारी किए गए मान्यता प्रमाण पत्र।
- ✓ स्कूली शिक्षा में अनुभवात्मक शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा में लाने के लिए सभी हितधारकों को एक मंच पर लाया गया।
- ✓ राज्य एस.सी.ई.आर.टी. रणनीति को लागू करने के लिए अपने इनपुट प्रदान करने के लिए शामिल हैं।
- ✓ ग्रामीण सरोकारों के चिन्हित क्षेत्रों में पाठ्यचर्या विकास के लिए उच्चतर शिक्षा के चिन्हित क्षेत्र
- ✓ स्कूली शिक्षा पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में अनुभवात्मक शिक्षा, गांधीजी की नई तालीम और व्यावसायिक शिक्षा पर ध्यान देने के साथ 19 स्थायी समितियों का गठन किया गया।
- ✓ राज्य और केंद्रीय विश्वविद्यालयों में ग्रामीण सरोकारों पर अनुसंधान और छात्रवृत्ति को बढ़ावा दिया जाता है
- ✓ व्यावसायिक शिक्षा, सामाजिक उद्यमिता और ग्रामीण उद्यमिता में आयोजित कार्य अनुसंधान परियोजनाएं।
- ✓ सभी हितधारकों के लिए मासिक समाचार पत्र और अर्धवार्षिक सहकर्मी समीक्षा जर्नल के माध्यम से ज्ञान का प्रसार
- ✓ उच्चतर शिक्षा में ग्रामीण चिंताओं को दूर करने के लिए संकाय विकास कार्यक्रमों के लिए चिंता के क्षेत्रों की पहचान की गई
- ✓ संकाय सदस्यों और छात्रों को मनोसामाजिक मार्गदर्शन और कोविड स्वैच्छिकता के बारे में संवेदनशील बनाया
- ✓ अनुभवात्मक शिक्षण (नई तालीम और फील्ड एंगेजमेंट) पद्धति का उपयोग शिक्षण और क्षेत्र की गतिविधियों में जुड़ाव होने के लिए किया जाता है।
- ✓ सफलता की कहानियां तैयार करने के साथ-साथ ऑनलाइन निगरानी प्रणालियां स्थापित की गई हैं
- ✓ उच्चतर शिक्षा संस्थानों के लिए स्वच्छता के घटक, हरियाली, ऊर्जा, जल प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता और स्वच्छता का संचालन स्वच्छ परिसर नियमावली और जल शक्ति नियमावली के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करते हुए किया गया।
- ✓ सुविधाओं और विशेषज्ञता को साझा करके ग्रामीण प्रबंधन में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए पारस्परिक संबंधों की खोज, विस्तार और मजबूती के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।
- ✓ कोविड 19 महामारी के कार्य प्रणाली को प्रभावित करने के बावजूद, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किए, और जनादेश से अधिक हासिल किया।

- उद्यमिता विकास प्रकोष्ठों के प्रयासों में सहायता के लिए उद्यमशीलता और कारीगरी दोनों को प्रोत्साहित करने के लिए उच्चतर शिक्षा संस्थानों में छात्र स्वयं सहायता समूहों (एस.एस.एच.जी.) का गठन।
- गठित संस्थागत प्रकोष्ठों (सामाजिक उद्यमिता, स्थिरता और ग्रामीण जुड़ाव प्रकोष्ठों (एस.ई.एस.आर.ई.सी.), ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठों (आर.ई.डी.सी.), और व्यावसायिक शिक्षा, नई तालीम और अनुभवात्मक अधिगम प्रकोष्ठों (वेंटेल) के माध्यम से उद्यमशीलता गतिविधियों की शुरुआत। उच्चतर शिक्षा संस्थान दिवस का आयोजन करता है- कैंपस और आस-पड़ोस में लॉन्ग कैंपस मार्ट/बाजार, उद्यमिता के व्यावहारिक पहलुओं को प्रदर्शित करते हुए।
- ग्रामीण परिवर्तन के लिए विश्वविद्यालयों को ज्ञान हब के रूप में बढ़ावा देना - ग्रामीण संस्थानों को क्षेत्रीय विकास संस्थानों और ग्रामीण विश्वविद्यालयों के रूप में विकसित करने के अपने उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, जो ज्ञान कनेक्टिविटी के हब के रूप में कार्य करेंगे और जहां भी संभव हो, स्वैच्छिक पहल के माध्यम से पिछड़े क्षेत्रों में ग्रामीण परिवर्तन के प्रभावी एजेंट के रूप में उभरेंगे। - एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने ग्रामीण विश्वविद्यालयों को समर्थन देना शुरू किया है। ग्रामीण उद्यमिता पर महत्वाकांक्षी जिलों तटीय क्षेत्रों, सीमावर्ती क्षेत्रों और जनजातीय क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए विशेष कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।
- व्यावसायिक शिक्षा, अनुभवजन्य शिक्षा और कौशल पर राष्ट्रीय कार्यशालाएं; और ग्रामीण प्रबंधन और ग्रामीण जुड़ाव।
- एफ.डी.सी. एम.जी.एन.सी.आर.ई. में राष्ट्रीय कार्यशाला के बाद अनुवर्ती कार्यशालाओं के रूप में विषय पद्धति द्वारा शिक्षक शिक्षा पर राज्य-वार एस.सी.ई.आर.टी. में कार्यशालाएं आयोजित की गईं। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने एस.सी.ई.आर.टी. के संकाय के सहयोग से लघु शोध परियोजनाओं को आमंत्रित किया है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में एस.सी.ई.आर.टी. और विश्वविद्यालयों के संकाय द्वारा तैयार की जाने वाली पाठ योजनाएं भविष्य के शिक्षकों के लिए एक संपत्ति होंगी और इन पाठ योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए शिक्षक मास्टर ट्रेनर बन जाएंगे।
- एम.जी.एन.सी.आर.ई. के आह्वान पर, देश भर के उच्चतर शिक्षा संस्थानों ने राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थानों की स्थिरता ग्रेडिंग (एन.आर.आई.एस.जी.) में भाग लिया है। एन.आर.आई.एस.जी. संस्थानों और राज्य को निम्नलिखित कारकों को जानने और कल्पना करने में मददगार है, जिसके द्वारा एच.ई.आई. 1. कौशल विकास, 2. व्यक्तित्व विकास, 3. स्वच्छता और स्वास्थ्य, 4. अपशिष्ट जल और हरियाली जैसे बुनियादी प्रमुख तत्वों का प्रबंधन और विकास कर सकते हैं। 5. कार्य अनुसंधान परियोजना 6. संकाय विकास कार्यक्रम, 7. शैक्षणिक नेतृत्व कार्यक्रम, और 8. कार्य अनुसंधान इंटर्नशिप, शिक्षुता और उद्यमिता । 17 राज्यों के 174 जिलों में 1513 संस्थानों को ग्रेड दिया गया और ग्रेडिंग प्रमाणपत्र वितरित किए गए। 2022-23 में चरण 1 में स्थिरता मापदंडों पर ध्यान केंद्रित किया गया: परिसर में हरित आवरण, सतही जल संचयन, छत के ऊपर संचयन, छत के ऊपर सौर प्रणाली, अपशिष्ट प्रबंधन। चरण 2 (1-मई-2023 से) छात्र स्वयं सहायता समूहों, कैंपस बाज़ारों और दैनिक बिक्री काउंटरों को कवर करेगा। एम.जी.एन.सी.आर.ई. के एक्शन रिसर्च इन्वेस्टिगेटर्स ने एन.आर.आई.एस.जी. सर्वे और उसके बाद की ग्रेडिंग की है।
- हमारे इंटर्न और अप्रेंटिस देश भर में एम.जी.एन.सी.आर.ई. तकनीकी संसाधन व्यक्तियों की देखरेख में व्यावसायिक शिक्षा इंटर्न, सोशल वर्क इंटर्न और एन.आर.आई.एस.जी. इंटर्न के रूप में विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।
- एफ.डी.पी. "अकादमिक नेतृत्व के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रम", "अकादमिक ग्रामीण नेतृत्व", ग्रामीण उच्चतर शिक्षा संस्थानों के लिए सलाह कौशल और सुविधा कौशल, और "सामुदायिक व्यस्तता के लिए सामाजिक उत्तरदायित्व और सुविधा का मार्गदर्शन" पर आयोजित किए गए थे।
- प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण - सामाजिक कार्य पेशेवरों को कुशल बनाना - एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा किए गए कौशल अंतर विश्लेषण के दौरान, यह देखा गया कि वर्तमान पाठ्यक्रम अधिक सिद्धांत आधारित है और व्यावहारिक आधारित नहीं है। एम.एस,डब्ल्यू. स्नातक प्रासंगिक नौकरियों की उम्मीद करते हैं लेकिन वे सदमे में हैं क्योंकि यह क्षेत्र कक्षा से काफी अलग है। इसलिए, कौशल अंतराल को कम करने के प्रयास में, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने देश भर में सामाजिक कार्य कौशल प्रयोगशाला प्रशिक्षण आयोजित करना शुरू कर दिया है।
- *एम.जी.एन.सी.आर.ई. के ई-लर्निंग सेंटर ने कॉन्फ्रेंसिंग और प्रशिक्षण सुविधाओं के लिए बुनियादी ढांचा विकसित किया है जिसमें प्रशिक्षण कार्यक्रम, कौशल निर्माण सत्र और अत्याधुनिक स्टूडियो और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरण के साथ कार्यशालाएं, एल.सी.डी. प्रोजेक्टर, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, व्हाइट बोर्ड, फ्लिप चार्ट, फोटोकॉपी सुविधाएं, लैपटॉप, और अन्य आवश्यक उपकरण शामिल हैं। इस सुविधा का उपयोग पूरे देश को वीडियो से जोड़ने और ग्रामीण समुदाय के जुड़ाव और विकास के लिए ऑनलाइन शैक्षिक संसाधनों को साझा करने के लिए किया जाता है।*
- *एम.जी.एन.सी.आर.ई. को स्वयं प्लेटफॉर्म पर "फोस्टरिंग सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड कम्युनिटी एंगेजमेंट" पर एक एम.ओ.ओ.सी. कोर्स विकसित करने का काम भी मंत्रालय द्वारा सौंपा गया है।*

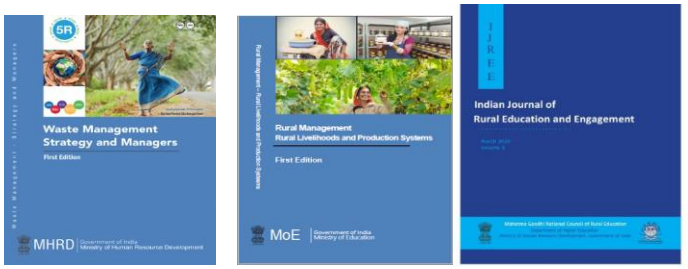

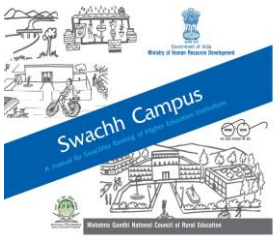

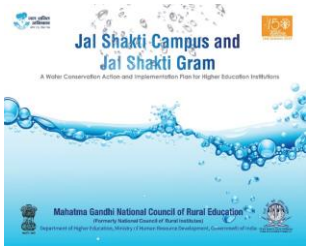

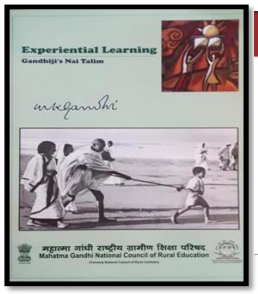

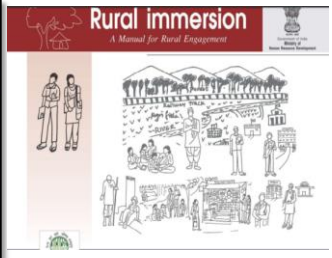

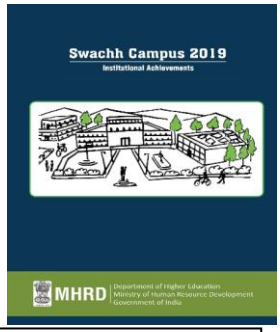

स्वच्छ परिसर मैनुअल - 10 भाषाएँ - स्वच्छ परिसर पर यह एस.ओ.पी. नियमावली परिसर में स्वच्छता को बढ़ावा देने के कार्य का समर्थन करने और निरंतर निगरानी और अभ्यास के माध्यम से परिसर को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी लेने की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए है।
जल शक्ति परिसर और जल शक्ति ग्राम मैनुअल - 11 भाषाएँ (https://www.education.gov.in/manual-jal-shakti-campus-and-jal-shakti-gram)। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के सभी प्रमुखों से पर्यावरण मंत्रालय द्वारा उपयुक्त कार्रवाई के लिए मैनुअल अपनाने का अनुरोध किया गया है। एचईआई के लिए जल संरक्षण कार्य और कार्यान्वयन योजना
अनुभवात्मक शिक्षा पर पाठ्यक्रम - गांधीजी की नई तालीम - 13 भाषाएँ - अनुभवात्मक शिक्षा, नई तालीम, कार्य शिक्षा और सामुदायिक व्यस्तता पर गांधीजी के विचारों को बढ़ावा देना और उन्हें स्कूली शिक्षा और शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र में मुख्यधारा में लाना
गांधीजी की नई तालीम: शिक्षक शिक्षा विभागों के संकाय के लिए अनुभवात्मक शिक्षण गतिविधियों की एक पुस्तिका - 10 भाषाएँ
ग्रामीण तल्लीनता पर मैनुअल – पी.आर.ए. और पी.एल.ए. तकनीक - 7 भाषाओं में अनुवादित - गांवों का पता लगाने और उनका आकलन करने के लिए सिद्धांतों, दृष्टिकोणों, विधियों और अनुप्रयोगों और उनके महत्व, ताकत, सुधार के क्षेत्रों और संभावनाओं की रूपरेखा तैयार करता है।
संस्थागत उपलब्धियां - स्वच्छता पहल और स्थिरता - एच.ई.आई. की स्वच्छता रैंकिंग
बी.बी.ए. आर.एम. कोर्स के लेनदेन के लिए ग्रामीण प्रबंधन पर 45 पाठ्य पुस्तकें
एम.बी.ए. अपशिष्ट प्रबंधन और सामाजिक उद्यमिता पाठ्यक्रम के लेनदेन के लिए एम.बी.ए. अपशिष्ट प्रबंधन पर 9 पाठ्य पुस्तकें
2500+ वीडियो पाठ (स्थिरता, सामाजिक कार्य कौशल प्रयोगशाला, स्वच्छता, ग्रामीण तल्लीनता, ग्रामीण प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन)
इंडियन जर्नल ऑफ रूरल एजुकेशन एंड एंगेजमेंट (आई.जे.आर.ई.ई.) 12 जर्नल - शैक्षणिक सामुदायिक व्यस्तता/ग्रामीण जुड़ाव और इससे संबंधित मुद्दों जैसे ग्रामीण शिक्षा, विश्वविद्यालय सामुदायिक व्यस्तता, ग्रामीण पर्यटन, ग्रामीण उद्यमिता और ग्रामीण संचार पर विद्वानों की जानकारी फैलाने का इरादा है।

प्रमुख गतिविधियां - अप्रैल 2023

छात्रों के सामाजिक उद्यमिता कौशल में योगदान करने के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. के तकनीकी संसाधन व्यक्तियों द्वारा एम.जी.एन.सी.आर.ई. के प्रशिक्षुओं और प्रशिक्षुओं की निगरानी की जा रही है। सामुदायिक व्यस्तता आधारित क्रिया सीखने के कौशल पर जोर दिया जा रहा है। छात्र स्वयं सहायता समूहों को जिस उद्देश्य के लिए स्थापित किया गया है, उसे जारी रखने के लिए सशक्त किया जा रहा है।

"अब समय आ गया है कि एक एम.ओ.यू. किया जाए और संगठनों के साथ काम किया जाए। हमें कपड़े के कैरी बैग की आपूर्ति करनी है और छात्रों के लिए वास्तविक समय पर व्यवसायिक प्रशिक्षण चलाना है, विशेष रूप से जो वाणिज्य को समझते हैं।" जी.डी.सी. बोधन की अपनी यात्रा के दौरान श्री बी. एस. सी. नवीन कुमार एम.जी.एन.सी.आर.ई. संसाधन व्यक्ति यू.बी.ए. ने कहा।

ग्रामीण विकास का एक मॉडल जाह्नवी मिश्रा, इंटर्न एम.जी.एन.सी.आर.ई., ने हरिहरपुर, वाराणसी, उत्तर प्रदेश के एस.एच.जी. (गणेश स्वयं सहायता समूह और कल्याणी स्वयं सहायता समूह) के साथ बातचीत की। टीम ने आय के स्रोत, उनकी गतिविधियों और दिन-प्रतिदिन की वित्तीय गतिविधियों के बारे में चर्चा की।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. में इंटर्न आरज़ू ज़ेबा ने 5 से 12 वर्ष के आयु वर्ग के लिए समर कैंप का आयोजन किया। शिविर में ग्राम अगरसंडा, जिला- बलिया, राज्य- उत्तर प्रदेश के बच्चों ने बहुत उत्साह के साथ भाग लिया। उन्होंने विश्व जल दिवस के अवसर पर पोस्टर/ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. इंटर्न अजय जाधव ने गांव मुंगसरा, जिला, नासिक, महाराष्ट्र में "युवा भारत के लिए ग्रीष्मकालीन शिविर" की व्यवस्था की है। शिविर के दौरान बच्चों ने विभिन्न खेल खेले और विभिन्न देशभक्ति गीत गाए। उन्हें ग्रीष्मकाल में स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्

Mahatma Gandhi National Council of Rural Education

उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

मुद्रित और प्रकाशित- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्
मेसर्स साईं लिखिता प्रिंटर्स पर मुद्रित, #एच.एन.ओ. 6-2-959, डी.बी.हिंदी प्रचार सभा परिसर, खैरताबाद, हैदराबाद-500004, तेलंगाना
#5-10-174, शक्कर भवन, फतेह मैदान लेन, बैंड कॉलोनी, बशीर बाग, हैदराबाद-500004, तेलंगाना में प्रकाशित
RNI NO: TELENG/2021/81111